Cut & Keep

Education भास्कर

टेस्ट सीरीज में आज पढ़िए सिविल सर्विसेस प्रारंभिक परीक्षा में पूछे जाने वाले इंडियन हिस्ट्री एंड कल्चर से संबंधित संभावित सवाल और जवाब। एक्सपर्ट द्वारा तैयार ये सैंपल पेपर सिविल सर्विसेस परीक्षा के ताजा पैटर्न पर आधारित हैं।

सिविल सर्विसेस (प्री) टेस्ट सीरीज (अंक-15)

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. **संस्कृत के महान कवि व नाटककार राजशेखर का संबंध गुर्जर प्रतिहारों से है, ये किसके राजदरबारी थे?**
(अ) भोज (ब) महेंद्रपाल
(स) महिपाल (द) इनमें से कोई नहीं

2. **निम्न कथनों पर विचार करें -**
(क) चोल प्रारंभ में चालुक्यों के सामंत हुआ करते थे।
(ख) चोलों ने चालुक्यों के कल्याणी तथा पांड्यों के देश में लूटपाट व कत्लेआम की रणनीति अपनाई थी जो चोलों पर कलंक है।
सत्य कथन है/हैं-
(अ) केवल क (ब) केवल ख
(स) क और ख (द) न क और न ही ख

3. **मंदिर निर्माण की द्रविड़ शैली के बारे में विचार करें -**
(क) गर्भगृह के ऊपर कई मंजिलों का निर्माण किया जाता था, जो ऊपर से संकरी होती जाती थी। इसे विमान शैली कहते हैं।
(ख) मुख्य मंदिर भवन के सामने सपाट छत वाला एक प्रांगण होता है जहां विभिन्न उत्सव व नृत्य आयोजित होते थे, इसे मंडपम् कहते हैं।
(ग) मंदिर के परिक्रमापथ विशाल होते थे, इनमें सिंहद्वार होते थे जिसे गोपुरम् कहा जाता है।
सत्य कथन है/हैं -
(अ) क और ख (ब) ख और ग
(स) क और ग (द) क, ख और ग

4. **निम्न कथनों पर विचार करें -**
(क) चाऊज कुआ चीनी यात्री के अनुसार गुजरात के स्त्री व पुरुष दोनों कुंडल व बाली पहना करते थे और इनके कपड़े तंग होते थे।
(ख) मार्को पोलो कहता है कि मालाबार के राजा कटिवस्त्र ही पहनते थे, लेकिन आभूषण ज्यादा पहना करते थे।
असत्य कथन है/हैं -
(अ) केवल क (ब) केवल ख
(स) क और ख (द) न क और न ही ख

5. **लिंगायत संप्रदाय के बारे में विचार करें-**
(क) इसकी स्थापना बासव व चन्नाबासव ने की।
(ख) बासव व चन्नाबासव कर्नाटक के कलचुरी राजा के दरबार से संबंधित थे।
(ग) इन्होंने जैनियों से विवाद के बाद इस संप्रदाय की स्थापना की।
(घ) यह विधवा पुनर्विवाह का समर्थन नहीं करता।
सत्य कथन है/हैं-
(अ) क, ख और घ (ब) ग और घ
(स) क और ख (द) क, ख और ग

6. **निम्नलिखित में से सुमेलित नहीं है-**
(क) वृहदीश्वर : कांची
(ख) बोरोबुदूर : जावा
(ग) अंकोरवाट : कंबोडिया
कूटः-
(अ) केवल क (ब) ख और ग
(स) क और ख (द) क, ख और ग

7. **निम्नलिखित में से सही सुमेलित है-**
(क) दीवान-ए-आरिज-सैनिक विभाग
(ख) दीवान-ए-रिसाल-धर्म संबंधी मामलों का विभाग
(ग) दीवान-ए-इंशा- पत्र विभाग
(अ) क और ख (ब) क, ख और ग
(स) क और ग (द) ख और ग

8. **जजिया एक कर था, जो गैर मुस्लिमों से लिया जाता था। यह कर किस एवज में लिया जाता था -**
(अ) सैनिक सेवा के एवज में (ब) धार्मिक सेवा के एवज में
(स) राज्य के विकास के एवज में (द) इनमें से कोई नहीं

Answer 1 (स) 2 (ब) 3 (द) 4 (द) 5 (द) 6 (अ) 7 (ब) 8 (अ)

पूरा सैंपल पेपरः **www.dainikbhaskar.com** पर

भास्कर एक्सपर्ट

- डॉ. प्रदीप कुमार, *सिविल सेवा परीक्षा स्ट्रैट्जी एक्सपर्ट*
dr.drpradeepkumar@gmail.com

अपॉर्च्युनिटी अपडेट

नेशनल स्कॉलरशिप एग्ज़ाम, 2017

इस प्रतियोगिता में 5वीं कक्षा से लेकर डिग्री करने वाले छात्र भाग ले सकते हैं। छात्रों से 100 नंबर के वैकल्पिक प्रश्न पूछे जाएंगे। 50 प्रश्न जनरल नॉलेज, 25 मैथ्स और 25 सोशल साइंस से होंगे। इसके लिए 1 घंटे 30 मिनट का समय मिलेगा। यह 17 दिसंबर, 2017 को आयोजित होगी। प्रत्येक कक्षा से तीन विजेताओं को चुना जाएगा। 4 से 100वीं रैंक वाले छात्रों को भी इनाम और अन्य छात्रों को सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।
अंतिम तिथि : 30 सितंबर, 2017
लिंक : www.niceedu.org/scholarship.html

स्टूडेंट एंड टैलेंट रिवॉर्ड टेस्ट, 2017

इस प्रतियोगिता में छठवीं से बारहवीं कक्षा तक के छात्र भाग ले सकते हैं। इसमें एनसीईआरटी के सिलेबस से प्रश्न पूछे जाएंगे। छठवीं से 10वीं कक्षा के छात्रों से जनरल साइंस और साइंस विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे। ग्यारहवीं-बारहवीं के छात्रों से उनकी स्ट्रीम से संबंधित विषयों के प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें हिस्सा लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विजेताओं को इनाम दिया जाएगा।
अंतिम तिथि : 10 सितंबर, 2017
लिंक : http://resostart.in/

सवाल और सुझाव के लिए एसएमएस कीजिए... 9200012345 पर या ई-मेल कीजिए
education@dbcorp.in

Cut & Keep

एमडीडीएम में जल्द होगी एम कॉम की पढ़ाई, विवि में स्वीकृति की प्रक्रिया शुरू

इधर टीपी वर्मा कॉलेज ने कॉमर्स में स्नातक कोर्स शुरू करने की मांगी अनुमति

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

एम कॉम पढ़ाई की इच्छा रखनेवालीं छात्राओं के लिए खुशी देनेवाली खबर है। सीपीई का दर्जा प्राप्त इकलौते कॉलेज एमडीडीएम में पीजी स्तर पर कॉमर्स की पढ़ाई जल्द शुरू होने की आस जगी है। कॉलेज की ओर से इसकी अनुमति मांगने पर बीआरए बिहार विवि में भी प्रक्रिया शुरू हो गई है। उधर, टीपी वर्मा कॉलेज ने स्नातक स्तर पर कॉमर्स पढ़ाई की अनुमति देने का विवि से आग्रह किया है। जानकारी के अनुसार विवि में दोनों ही कॉलेज के आग्रह पर स्वीकृति देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि नए कोर्स शुरू करने के प्रस्ताव को एकेडमिक काउंसिल में रखकर सिंडिकेट, सीनेट से पास कराया जाएगा। फिर उसे राजभवन को अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। एमडीडीएम कॉलेज की प्राचार्या डॉ. ममता रानी ने बताया कि कॉलेज से स्नातक प्रतिष्ठा करनेवाली छात्राओं को बेहतर मौका मिले इसे लेकर पीजी स्तर पर कॉमर्स की पढ़ाई शुरू करने की अनुमति मांगी गई है। पिछले वर्ष भी कॉलेज ने दो विषयों में पीजी की पढ़ाई शुरू करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन सीनेट की प्रोसीडिंग अप्रूव्ड नहीं होने के कारण इन कोर्सों पर फैसला नहीं हो सका।

एमएसकेबी कॉलेज में चार विषयों में स्नातकोत्तर की पढ़ाई का मामला अटका

एमएसकेबी कॉलेज में चार विषयों में पीजी की पढ़ाई शुरू होने का मामला लटक गया है। कॉलेज की ओर से पिछले वर्ष उर्दू, हिंदी, होम साइंस और इतिहास में पीजी की पढ़ाई के लिए अनुमति मांगी गई थी। वहीं स्नातक स्तर पर कॉमर्स और समाजशास्त्र विषयों की पढ़ाई प्रारंभ करने की अनुमति मांगी गई थी।

होगा मूल्यांकन | दो कॉलेजों में सीटें 100 से बढ़ाकर 150 किए जाने का प्रस्ताव

13 बीएड कॉलेजों को एफिलिएशन देने के पूर्व जांच की प्रक्रिया प्रारंभ

- **आठ सदस्यीय कमेटी एनसीटीई के मानक पर करेगी कॉलेजों का निरीक्षण**
- **तीन कॉलेजों में सीटें 50-50 पर किए जाने को लेकर भी होना है फैसला**

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विवि में एनसीटीई की ओर से एनओसी मिल चुके नए बीएड कॉलेजों को एफिलिएशन देने के पूर्व इसकी जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आठ सदस्यीय जांच कमेटी 13 नए बीएड कॉलेजों में उपलब्ध संसाधनों और एनसीटीई के मानकों के आधार पर मूल्यांकन करेगी। कमेटी में इंस्पेक्टर ऑफ कॉलेजेज ऑफ आर्ट्स, साइंस, डीएसडब्ल्यू, सभी डीन और तुर्की बीएड कॉलेज के प्राचार्य शामिल हैं।

निरीक्षण के दौरान टीम के कॉलेज में एंट्री से लेकर एक्जिट तक की वीडियोग्राफी को अनिवार्य किया गया है। टीम एनसीटीई की ओर से तय किए गए हर पहलू पर पड़ताल करेगी। इसमें छात्र-शिक्षकों का अनुपात, संसाधन, लैब व अन्य सुविधाओं की जांच के साथ-साथ कर्मचारियों की संख्या आदि शामिल हैं। निरीक्षण व जांच रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद विवि की एफिलिएशन कमेटी इस पर निर्णय लेगी। इंस्पेक्टर ऑफ कॉलेजेज ऑफ आर्ट्स डॉ. रजनीश गुप्ता ने बताया कि नए कॉलेजों को एफिलिएशन देने के पूर्व उनकी जांच कराई जा रही है। जानकारी के अनुसार विवि के अधिकार क्षेत्र में चलने वाले दो बीएड कॉलेजों में सीटें बढ़ाए जाने को लेकर संसाधनों की पड़ताल होगी। उसके बाद उनकी सीटें 100 से बढ़ाकर 150 किया जाएगा। वहीं, तीन कॉलेजों में 50-50 सीटों पर नामांकन के लिए कमेटी पड़ताल करेगी।

बीए व बीएसएसी बीएड का प्रस्ताव खारिज

पहले से बीएड की पढ़ाई करने वाले कॉलेजों में बीए बीएड व बीएससी बीएड कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव फिलहाल खारिज कर दिया गया है। 100 सीटों को लेकर शुरू होने वाले इस कोर्स के प्रस्ताव को सिलेबस कमेटी ने ही खारिज कर दिया है। अब इसके शुरू होने पर संकट उत्पन्न हो गया है।

विश्वविद्यालय के 40 कर्मचारियों का प्रमोशन, अधिसूचना जारी

मुजफ्फरपुर | बीआरए बिहार विवि में लंबे इंतजार के बाद कर्मचारियों के प्रमोशन का नोटिफिकेशन मंगलवार को जारी कर दिया गया। विवि के 40 कर्मचारियों को फोर्थ ग्रेड से थर्ड ग्रेड में प्रोन्नति मिली है। इस पर कर्मचारी संघ के सचिव गौरव कुमार ने खुशी जताई है। कहा कि इसको लेकर किया गया प्रयास आखिरकार सफल हो गया है। उल्लेखनीय है कि कर्मचारियों के प्रमोशन पर 30 मार्च को विवि में आयोजित सिंडिकेट की बैठक में मंजूरी मिली थी। इसके बाद कर्मचारियों को नोटिफिकेशन का इंतजार था। इस चलते पिछले दिनों कर्मचारियों ने विवि को बंद कराने के साथ-साथ सामूहिक अवकाश पर रहे थे। इसको लेकर बीआरए बिहार विवि प्रगतिशील कर्मचारी संघ ने खुशी जाहिर की है। बधाई देने वालों में संघ के सरक्षक डॉ वीरेंद्र कुमार सिंह और बलराम चौधरी, अध्यक्ष अजय कुमार गौड़, उपाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह, सचिव नरेंद्र कुमार सिंह, मधुरेश कुमार सिंह, आनंद कृष्ण, अमित कुमार, राम कुमार साह, परमानंद सिंह शामिल हैं।

स्पेशल प्रैक्टिकल की तिथि जारी | बीआरए बिहार विवि की ओर से स्पेशल प्रैक्टिकल परीक्षा की तिथि जारी कर दी गई है। स्नातक पार्ट वन और टू के लिए स्पेशल प्रैक्टिकल 15 से 17 जून तक होगा। वहीं, पार्ट थर्ड के छात्र 12 जून को प्रैक्टिकल दे सकेंगे।

इंटर टॉपर घोटाला के लिए पूरी तरह मुख्यमंत्री जिम्मेदार : अरुण कुमार

मड़वन | इंटर टॉपर घोटाला के लिए पूरी तरह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जिम्मेदार हैं। सरकार अधिकारियों व शिक्षकों पर कार्रवाई का ढोंग कर मामले से पब्लिक का ध्यान भटकाना चाहती है। इसमें शामिल कुछेक मंत्रियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही मुख्यमंत्री इस्तीफा दें। ये बातें जहानाबाद के रालोसपा सांसद अरुण कुमार सिंह ने कही। मंगलवार को वे मोतिहारी जाने के क्रम में रेपुरा में संजय सिंह के आवास पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

सांसद ने कहा कि शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की जरूरत है। कॉलेजों में शिक्षकों की भारी कमी है। इसकी भरपाई के लिए सृजित पदों को भरने की जरूरत है। उन्होंने शिक्षकों की दुर्दशा का जिक्र करते हुए कहा कि वित्तरहित शिक्षा नीति गलत है। सरकार ने स्कूलों को जनप्रतिनिधियों के पास गिरवी रख दिया है। बच्चा राय व परमेश्वर राम जैसे लोग मोहरा हैं, असली गुनहगारों को सरकार बचाने पर तुली है। उन्होंने मोतिहारी चीनी मिल के गेट पर किसानों के आत्मदाह का जिक्र करते हुए कहा कि एक तरफ किसान बकाया पैसे नहीं मिलने पर आत्महत्या की राह चुन रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ सरकार को गांधी पदयात्रा जैसे कार्यक्रमों की आड़ में जनता के पैसों को लुटा रही है। मौके पर चेनारी विधायक सह प्रदेश अध्यक्ष ललन पासवान, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष विनोद चौधरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शशिकुमार सिंह, सांसद प्रतिनिधि धीरेन्द्र कुमार सिंह, मुखिया मुकुंद कुमार, हरि राम मिश्र, सुजीत कुमार, गुड्डू चौधरी, मृत्युजय दास, परशुराम झा, अशोक भगत, प्रशांत कुमार आदि उपस्थित थे।

घर-घर शिक्षा पहुंचाएगी बाल कल्याण सेवा संस्था

मुजफ्फरपुर | रुपये के अभाव में अब कोई भी बच्चा अशिक्षित नहीं रहेगा। शिक्षा को घर-घर तक पहुंचाना है। ये बातें बाल कल्याण सेवा संस्था के सचिव रेयाज अहमद ने मिठनपुरा स्थित इफको भवन स्थित अपने जिला कार्यालय में कहीं। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य शिक्षा को शिखर तक ले जाना है। संस्थान शुरू से ही सरकारी मध्य व हाई स्कूल के स्टूडेंट्स को खेल प्रशिक्षण व प्रमाण पत्र दे रहा हैं। मौके पर उनके साथ-साथ नूर हसन, मो. एहतेशाम, दिलीप कुमार, संतोष कुमार आदि मौजूद थे।

इशिता व हर्षिता ने दिखाई प्रतिभा

मुजफ्फरपुर | लखनऊ में आयोजित जूनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता में शहर की दो सगी बहनों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इशिता और हर्षिता ने बालिका अंडर 9 और 13 आयु वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की है। पूर्व में इशिता बालिका वर्ग में चैंपियन भी रह चुकी है। प्रतियोगिता का आयोजन 30 मई से 1 जून तक किया गया था।

'सात निश्चय सरकार की प्राथमिकता इसे पूरा करने को करें विशेष पहल'

सिटी रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

सात निश्चय सरकार की पहली प्राथमिकता में शामिल है। इसको देखते हुए इस कार्य को संभालने वाले अधिकारी व कर्मचारी इसको पूरा करने की विशेष पहल करें। इसके तहत जितनी भी योजनाएं हैं उसका लाभ युवाओं व छात्रों को देने के लिए विभागों से समन्वय स्थापित कर युवाओं का इसके लिए प्रेरित करें। ये बातें मंगलवार को सिकंदरपुर स्टेडियम स्थित जिला निबंधन एवं परामर्श केन्द्र में बिहार विकास मिशन द्वारा मानव संसाधन पर आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए जिलाधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने कहीं। उन्होंने कहा बिहार विकास मिशन का कार्यक्रम समयबद्ध है तथा दो वर्ष पूर्व मिशन का गठन किया गया है। मिशन के सभी कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण के लिए जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर अधिकारियों को नामित किया गया है। उन्होंने जिला निबंधन एवं परामर्श केन्द्र के कर्मियों एवं अधिकारियों को आपस में सहयोग करने की बात कही। पटना से आए हेमलता एवं उनके सहयोगी द्वारा बिहार विकास मिशन के द्वारा संविदा पर नियुक्त कर्मियों के लिए बनाए गए सेवा से संबंधित नियमावली को पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अरविंद कुमार वर्मा, क्षेत्रीय उप निदेशक योजना ब्रजेश त्रिवेदी समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के लिए डीआरडीसी में 250 बच्चों की हुई काउंसेलिंग

डीआरडीसी में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में जुटे लोग।

मुजफ्फरपुर | स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना को लेकर मंगलवार को 250 बच्चों की काउंसेलिंग की गई। डीपीओ स्थापना जियाउल होदा खां ने बताया कि गर्मी छुट्टी होने के कारण अधिकतर शिक्षण संस्थान बंद हैं। ऐसे में मास्टर ट्रेनरों को स्कूल प्रशासन से संपर्क कर स्कूल खुलवाकर अधिक से अधिक स्टूडेंट्स को बुलवाने के लिए कहा गया है। इसके तहत शिक्षकों व बच्चों को योजना की पूरी जानकारी दी जाएगी। साथ ही "आर्थिक हल युवाओं को बल' योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभ से स्टूडेंट्स को अवगत कराया जाएगा। डीपीओ ने बताया कि बिहार सरकार की ओर से योजना को अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंचाने के लिए कहा गया है।

योग दिवस पर होंगे स्कूल-कॉलेजों में विशेष कार्यक्रम

मुजफ्फरपुर | अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस पर 21 जून को जिले के सभी स्कूल-कॉलेजों में विशेष कार्यक्रम होंगे। राज्य परियोजना निदेशक संजय सिंह ने डीईओ को पत्र लिखकर कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए कहा है। आयोजन के लिए शिक्षक, बच्चों व कर्मियों के साथ-साथ ग्रामीणों को भी स्कूल तक लाने के लिए कहा गया है। कार्यक्रम में योग से होने वाले मानसिक व भौतिक स्वास्थ्य लाभ के बारे में जानकारी दी जाएगी।

पुस्तकालय विज्ञान कार्यशाला 8 से

मुजफ्फरपुर | पीएनएस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एवं मैनेजमेंट और डॉ. रंगनाथन राज्य पुस्तकालय समिति के संयुक्त तत्वावधान में 8 जून से पुस्तकालय विज्ञान से रिलेटेड विषयों पर कार्यशाला होगी। भिखनपुरा दक्षिण टोला स्थित इंस्टीट्यूट में प्रतिभागियों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के टिप्स दिए जाएंगे। विशेषज्ञ व्यावसायिक परीक्षाओं को फेस करने के भी गुर सिखाएंगे।

विशेष शिक्षा महासंघ की बैठक 10 को

मुजफ्फरपुर | 10 जून को बैरिया स्थित ईरा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में अनौपचारिक अनुदेशक सह विशेष शिक्षा महासंघ का बैठक आयोजित होगा। देवेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि उनका संघ बिहार का एकमात्र रजिस्टर्ड संघ है। उन्होंने अधिक से अधिक अनुदेशकों को बैठक में उपस्थिति होने का आवाहन किया है।

इंटर के खराब रिजल्ट को लेकर भाजपा ने की डीईओ कार्यालय में तालाबंदी

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

राज्य में इंटरमीडिएट के परिणाम में गड़बड़ी के आरोप में भाजपा युवा मोर्चा ने डीईओ कार्यालय में तालाबंदी की। कार्यकर्ताओं ने शिक्षा विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पुनर्मूल्यांकन कर शीघ्र रिजल्ट प्रकाशित कराने की मांग की। भाजयुमो जिलाध्यक्ष नचिकेता पांडेय ने बताया कि इंटर के रिजल्ट में गड़बड़ी होने के कारण छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ऐसे में युवा मोर्चा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि रिजल्ट में गड़बड़ी होने के कारण हजारों छात्र दूसरे शहरों में नामांकन लेने से वंचित रह जाएंगे। तालाबंदी के दौरान विक्रम यादव, विकास कुमार, आदर्श आर्यन, शांतनु, शेखर, विपुल, अनिकेत, अभिषेक कुमार, राजीव और सत्यम सहित अन्य मौजूद थे।

रिजल्ट को लेकर छात्र संघों ने किया कल बिहार बंद का आह्वान

मुजफ्फरपुर | खराब रिजल्ट व शिक्षा व्यवस्था में खामियों को लेकर विभिन्न छात्र संगठनों ने 8 जून को बिहार बंद का आह्वान किया है। एआईडीएसओ के विजय कुमार ने बताया कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के गेट पर प्रदर्शन के क्रम में स्टूडेंट्स एवं संघ कार्यकर्ताओं पर लाठियां बरसाई गईं। इससे छात्रों का आक्रोश बढ़ रहा है। संगठन की ओर से तीन सूत्री मांगें रखी गई हैं। विजय ने कहा कि बोर्ड स्कूटनी का ढोंग रचकर स्टूडेंट्स का शोषण कर रहा है। छात्र संघ ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने व शिक्षा मंत्री तथा बोर्ड अध्यक्ष को बर्खास्त करने की मांग की है। इधर, बंद को सफल बनाने को लेकर मंगलवार को सरैया, मड़वन, कांटी, साहेबगंज, मोतीपुर में संघ के कार्यकर्ताओं ने बैठक की। इसकी सफलता के लिए एआईडीएसओ, आईसा, एआईएसएफ, एसएफआई, एआईडीवाईओ, इनौश, एआईवाईएफवाई, वाईएफआई आदि छात्र संगठनों ने भी आह्वान किया है।

राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के 17वें स्थापना दिवस पर विशेषज्ञों ने रखीं अपनी बातें

बेहतर उत्पादन के लिए चिंतन में बदलाव लाएं किसान पारंपरिक छोड़ व्यावसायिक तरीके से करें खेती : डॉ. सिंह

कहा- अन्य फसलों की अपेक्षा लीची जैसी बागवानी फसलों के उत्पादन से होगा अधिक लाभ

भास्कर न्यूज | मुशहरी

बेहतर उत्पादन के लिए किसानों को सरकार को कोसने के बदले अपनी चिंतन में बदलाव लाने की आवश्यकता है। सामान्य खेती के बदले व्यवसायिक खेती से किसान अधिक लाभान्वित हो सकते हैं। आजादी के बाद देश में सर्वाधिक प्रगति कृषि के क्षेत्र में हुई है। परिवारों के बंटने से कृषि क्षेत्र कम हुआ। इसके बावजूद उत्पादन में वृद्धि होने से किसानों की हालत में सुधार हुआ है। जिले में लीची उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। अन्य फसलों की अपेक्षा लीची जैसी बागवानी फसलों का बेहतर उत्पादन कर किसान अधिक लाभ कमा सकते हैं। ये बातें मुख्य अतिथि बागवानी मिशन भारत सरकार के पूर्व उप महानिदेशक डॉ. एचपी सिंह ने मंगलवार को राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के 17वें स्थापना दिवस समारोह में कही।

डॉ. सिंह ने कहा कि वर्तमान समय की कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीपरक होनी चाहिए। इसके समुचित प्रयोग से ही सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में आशातीत सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने इसके लिए जिले में 17 वर्ष पूर्व खोले गए राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के लिए किए गए प्रयासों का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का धन्यवाद दिया। कहा कि पूर्व से लीची की व्यवसायिक रूप से जिला समेत उत्तर बिहार में खेती होती रही है। लेकिन, राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के प्रयास के बाद अब गैर परंपरागत तरीके से भी खेती होने लगी है। डॉ. सिंह ने लीची के किस्म विकास के साथ ही किसानों से गुणवत्तायुक्त फलों के उत्पादन के लिए बाग के बेहतर प्रबंधन की सलाह दी। इससे पूर्व इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का संयुक्त रूप से उद्घाटन पूर्व उप महानिदेशक डॉ. एचपी सिंह के साथ ही आईसीएआर के सहायक महानिदेशक डॉ. वशाका सिंह ढिल्लो, आरएयूपी के पूर्व कुलपति डॉ. गोपालजी त्रिवेदी, पूसा कृषि विवि के कुलपति डॉ. आरसी श्रीवास्तव तथा केंद्र के निदेशक डॉ. विशाल नाथ ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का संचालन प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एसडी पाण्डेय ने किया। मौके पर डॉ. एसके पूर्वे, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. अमरेश कुमार सहित देश के विभिन्न राज्यों के दो दर्जन से अधिक कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे।

लीची अनुसंधान केंद्र के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते डॉ. गोपालजी।

सम्मानित किसान हिमांशु कुमार।

सम्मानित किए गए निदेशक डॉ विशालनाथ।

इन्हें किया गया सम्मानित

सेमिनार में बेहतर शोध के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नव प्रेम सिंह, डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. विकास दास, डॉ. हरिशंकर सिंह एवं डॉ. गणेशन करुणाकरण को सम्मानित किया गया। वहीं, बेहतर समाचार संकलन के लिए वरिष्ठ पत्रकार अरविंद कुमार मिश्र, अमरेन्द्र तिवारी, प्रेम कुमार एवं सुधीर कुमार को, लीची फसल के बेहतर प्रबंधन के लिए उद्यमी किसान सतीश कुमार द्विवेदी, रंधीर कुमार, मुरलीधर शर्मा, गणेश कुशवाहा एवं केरला के उद्यमी किसान अहमद पटेल को सम्मानित किया गया है।